Date __/__/__

Sub. Psychology
B.A. Part II (Hons)
Paper - III
Chapter - Anxiety disorder
Topic - Symptoms of obsessive compulsive disorder
By - Nishikant Jaiswal (Assistant Professor)
Dr. L.K.V.D College Tajpur, Samastipur.
Lecture series No. - 30

Symptoms of Obsessive Compulsive disorder.

1. अनावश्यक विचारों की पुनरावृत्ति (Repetition of unnecessary ideas) :- इस रोग का मुख्य लक्षण विचारों (ideas) का शिकार होता है। वे विचार व्यक्ति को निकम्मा बना देते हैं। इसका रोगी अत्यधिक विचारशील तथा बौद्धिक (Intellectual) होता है। उसे यह ज्ञात रहता है कि उसके विचार अर्थहीन है तथा उसका कोई महत्व नहीं है, किन्तु फिर भी वह उसका गुलाम बना रहता है। जब कभी वह इस सनकी विचार से छुटकारा पाने का प्रयास करता है, इसी प्रकार के दूसरे विचार आ जाते हैं इसी तरह उसके मन पर उसका तांता लगा रहता है। इस सनकी विचार के कारण व्यक्ति कभी-2 अपनी शक्ति के बाहर काम करने लगता है।

2. संदेह (Doubt) - कुछ रोगी इतने संदेही हो जाते है वो अपने लोगों पर संदेह करने लगते हैं यानि वे भय संवेग से पीड़ित रहते हैं. परन्तु

Scanned with CamScanner

Date __/__/__

फोबिया से ग्रस्त व्यक्ति का भय इस रोगी के भय से भिन्न होता है। जब व्यक्ति को इस भय का भाव उत्तेजक की उपस्थिति से होता है तो उसे फोबिया का रोगी कहा जाता है परन्तु जब व्यक्ति उत्तेजक के अभाव में सिर्फ उसके बारे में सोच-विचार करके ही डर जाता है तो उसे विचार बाध्यता (Obsession) का रोगी समझा जाता है

क्रिया विशेष की पुनरावृत्ति (Repetition of Compulsive Act) कुछ रोगियों में आत्यधिक संवेगात्मक तनाव देखा जाता है। मानसिक संघर्ष तथा भावना ग्रन्थियों का प्रदर्शन विचित्र क्रियाओं में होता है। रोगी जानता है कि उसकी क्रियाएँ असंगत तथा आधारहीन है लेकिन वह उसे करने के लिए विवश रहता है। इन क्रियाओं को करने की आदत लग जाती है। कुछ लोगों को यह संदेह होता है कि दरवाजे में ताला नहीं लगाया है। वह कई बार उठ-उठकर देखता है कि ताला बंद है या नहीं। इस तरह यदि उसकी इस क्रिया में किसी तरह की बाधा पड़ती है तो वह अत्यधिक क्षुब्ध, बेचैन, क्रुद्ध तथा चिड़चिड़ा स्वभाव का हो जाता है जिससे उसे नींद भी नहीं आती है। गिनने की बाध्यता को संख्या उन्माद चुराने की बाध्यता को अपहरण उन्माद तथा आग लगाने की बाध्यता को अग्नि उन्माद कहा जाता है। इस प्रकार इसके रोगियों में बार-२ हाथ धोने, रुपये गिनने, बाल झाड़ने आदि की बाध्य क्रियाएँ देखी जाती है। इस प्रकार की पुनरावृत्ति सीमा से बाहर चली जाती है।

Page No.

Scanned with CamScanner